चम्पारण ज्ञानाग्रह

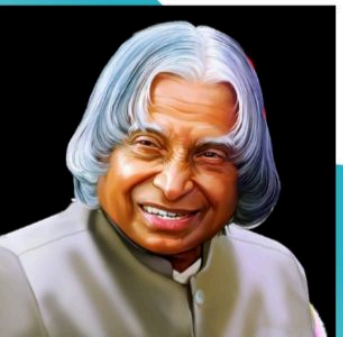
प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 04 नवंबर 2026, अंक –393.

प्रस्तुति:- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."



"स्वयं को जानने का प्रयास करें।" — सुकरात



विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादक:- शैलेन्द्र कुमार



अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Wednesday Prayer

तू ही राम है, तू रहीम है,
तू करीम कृष्ण खुदा हुआ।
तू ही वाहे गुरु तू यीशू मसीह
हर नाम में तू समा रहा।
तू ही राम है.....।

तेरी जात पाक कुरान में,
तेरा दरस वेद पुराण में।
गुरु ग्रन्थजी के बखान में,
तू प्रकाश अपना दिखा रहा।
तू ही राम है.....।

अरदास है कहीं कीरतन
कहीं रामधुन कहीं आवहन।
विधि भेद का यह है सब रचन,
तेरा भक्त तुझको बुला रहा।
तू ही राम है.....।

तेरा गुण नहीं हम गा सकें,
तुझे कैसे मन में ध्या सकें।
है दुआ यहीं तुझे पा सकें,
तेरे दर पे सर ये झुका हुआ।
तू ही राम है.....।

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणाः शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।



संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. इरिट्रिया की राजधानी क्या है?
उत्तर: अस्मारा
प्रश्न 2. विश्व की पहली महिला कौन थीं, जिन्होंने माउंट एवरेस्ट पर दो बार चढ़ाई की?
उत्तर: संतोष यादव।
प्रश्न 3. 'लाई हराओबा' किस राज्य का प्रसिद्ध पारंपरिक सांस्कृतिक उत्सव है?
उत्तर: मणिपुर
प्रश्न 4. 84 का अभाज्य गुणनखंड क्या होगा?
उत्तर: 2 × 2 × 3 × 7
प्रश्न 5. बिहार के सासाराम में किस प्रसिद्ध शासक का मकबरा स्थित है?
उत्तर: शेरशाह सूरी
प्रश्न 6. कौन-सी मछली पानी की धार मारकर पेड़ों पर बैठे कीड़ों का शिकार करती है?
उत्तर: आर्चरफिश
प्रश्न 7. आधुनिक तीन-रंग वाली ट्रैफिक लाइट के विकास का श्रेय किस आविष्कारक को दिया जाता है?
उत्तर: गैरेट मॉर्गन
प्रश्न 8. संसद के दोनों सदनों की संयुक्त बैठक की अध्यक्षता कौन करता है?
उत्तर: लोकसभा अध्यक्ष
प्रश्न 9. 'स्थायी' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: अस्थायी
प्रश्न 10. प्रेशर कुकर में भोजन सामान्य बर्तन की अपेक्षा जल्दी क्यों पकता है?
उत्तर: अधिक दाब और ताप के कारण

संकलन:-



पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

1. Aqueduct - एक्वाडक्ट - जलसेतु
2. Wetland - वेटलैंड - आर्द्रभूमि
3. Marsh - मार्श - दलदल
4. Swamp - स्वैम्प - दलदली वनक्षेत्र
5. Lagoon - लगून - लैगून / तटीय झील
6. Atoll - एटॉल - प्रवाल द्वीपवलय
7. Reef - रीफ़ - प्रवाल भित्ति



संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

आज का Structure: "Where is he/she going to + V1?"
(वह कहाँ ... करने वाला/वाली है?)

वह छुट्टियाँ बिताने कहाँ जाने वाला है? – Where is he going to spend his holidays?
वह अपनी पढ़ाई कहाँ करने वाली है? – Where is she going to study?
वह नई किताबें कहाँ से खरीदने वाला है? – Where is he going to buy new books?
वह अपना जन्मदिन कहाँ मनाने वाली है? – Where is she going to celebrate her birthday?
वह शाम को कहाँ खेलने वाला है? – Where is he going to play in the evening?



संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

अनुभाग-3

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. प्रतिवर्ष 4 नवंबर को संयुक्त राष्ट्र की किस प्रमुख वैश्विक संस्था के 1946 में संविधान लागू होने और शिक्षा, विज्ञान व संस्कृति के संरक्षण के सम्मान में स्थापना दिवस के रूप में मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: यूनेस्को (UNESCO स्थापना दिवस)
व्याख्या: 4 नवंबर 1946 को संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन (UNESCO) का संविधान औपचारिक रूप से लागू हुआ था। इसका मुख्यालय फ्रांस की राजधानी पेरिस में स्थित है। इसका मुख्य उद्देश्य शिक्षा, प्राकृतिक व सामाजिक विज्ञान, संस्कृति और संचार के माध्यम से विश्व में शांति, सुरक्षा और संवहनीय विकास को बढ़ावा देना है। दुनिया भर में ऐतिहासिक और सांस्कृतिक स्थलों को 'विश्व धरोहर स्थल' (World Heritage Sites) घोषित करने तथा अमूर्त सांस्कृतिक धरोहरों के संरक्षण का दायित्व इसी संस्था के पास है। भारत वर्ष 1946 से ही इसका संस्थापक सदस्य देश रहा है।
संदर्भ: UNESCO Constitution and Official Archives; United Nations System Directory;

प्र.2. हाल ही में भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (ISRO) द्वारा गगनयान मिशन की सुरक्षा तैयारियों के तहत अंतरिक्ष यात्रियों को आपात स्थिति में कैप्सूल से सुरक्षित बाहर निकालने हेतु किस क्रू एस्केप सिस्टम (CES) के उन्नत इन-फ्लाइट परीक्षणों को संचालित किया गया? (समसामयिक घटना)
उत्तर: टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन (TV-D2 / गगनयान परीक्षण)
व्याख्या: इसरो द्वारा भारत के प्रथम मानवयुक्त अंतरिक्ष मिशन 'गगनयान' के लिए क्रू मॉड्यूल की आपातकालीन निकास प्रणाली को प्रमाणित करने हेतु 'टेस्ट व्हीकल एबॉर्ट मिशन' (TV-D2) के परीक्षणों को अंतिम रूप दिया गया है। इसके अंतर्गत सुपरसोनिक गति और विभिन्न वायुमंडलीय दबावों के दौरान यदि रॉकेट में कोई तकनीकी खराबी आती है, तो क्रू एस्केप सिस्टम स्वचालित रूप से सक्रिय होकर क्रू मॉड्यूल को रॉकेट से सुरक्षित दूरी पर ले जाता है। इसके पश्चात पैराशूट की सहायता से अंतरिक्ष यात्रियों का कैप्सूल समुद्र में सुरक्षित उतार लिया जाता है। यह परीक्षण भारतीय अंतरिक्ष यात्रियों की पूर्ण जीवन-सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में मील का पत्थर है।
संदर्भ: ISRO Official Gaganyaan Mission Updates;

प्र.3. छायावाद के प्रमुख स्तंभ महादेवी वर्मा द्वारा रचित वह कौन-सा प्रसिद्ध रेखाचित्र/संस्मरण संग्रह है, जिसमें उन्होंने अपने घर में पाले गए पशु-पक्षियों (नीलकंठ मोर, गिल्लू गिलहरी, सोना हिरणी) का आत्मीय और संवेदनशील चित्रण किया है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: मेरा परिवार (1972)
व्याख्या: 'मेरा परिवार' (1972) आधुनिक हिंदी गद्य की मूर्धन्य रचनाकार महादेवी वर्मा द्वारा रचित एक अत्यंत अनूठा और मर्मस्पर्शी संस्मरण-रेखाचित्र संग्रह है। इसमें लेखिका ने मूक पशु-पक्षियों के प्रति अपने अगाध स्नेह और मानवीय संवेदनशीलता का परिचय दिया है। इस संग्रह में 'नीलकंठ' (मोर), 'गिल्लू' (गिलहरी का बच्चा), 'सोना' (हिरणी), 'दुर्मुख' (खरगोश), 'गौरा' (गाय), 'निक्की' (नेवला) और 'रोज़ी' (कुतिया) के स्वभाव, चंचलता और उनके साथ अपने आत्मीय संबंधों का जीवंत व चित्रात्मक अंकन किया गया है। यह कृति पाठकों में मूक जीवों के प्रति दया, करुणा और पारिस्थितिक सह-अस्तित्व की गहरी भावना जागृत करती है।
संदर्भ: महादेवी वर्मा — 'मेरा परिवार', नेशनल बुक ट्रस्ट (NBT) / लोकभारती प्रकाशन; NCERT Hindi Class 7 [illegible]

प्र.4. पारिस्थितिक तंत्र में किसी दिए गए पोषण स्तर पर ऊर्जा का वह स्वरूप जो पौधों द्वारा प्रकाश संश्लेषण के बाद अपने स्वयं के कोशिकीय श्वसन में ऊर्जा व्यय करने के उपरांत शुद्ध बायोमास के रूप में शेष बचता है, क्या कहलाता है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता (NPP / Net Primary Productivity)
व्याख्या: पारिस्थितिकी में पौधों द्वारा सौर ऊर्जा से संश्लेषित कुल कार्बनिक पदार्थ 'सकल प्राथमिक उत्पादकता' (Gross Primary Productivity - GPP) कहलाता है। पादप इस संचित ऊर्जा का एक बड़ा भाग अपनी जैविक क्रियाओं और कोशिकीय श्वसन (R) में व्यय कर देते हैं। इस श्वसन हानि को घटाने के बाद जो कार्बनिक पदार्थ (बायोमास) पादप शरीर में संचित रहता है, उसे 'शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता' (NPP) कहा जाता है।
सूत्र: NPP = GPP - R
यही शुद्ध प्राथमिक उत्पादकता शाकाहारी जीवों (प्राथमिक उपभोक्ताओं) तथा आगे के पोषण स्तरों के लिए भोजन और ऊर्जा के रूप में उपलब्ध वास्तविक जैव-भार होती है।
संदर्भ: NCERT Biology Class 12, Ch 14 "पारितंत्र" (Ecosystem Productivity), p. 260–263;

प्र.5. 1857 के प्रथम स्वतंत्रता संग्राम के दौरान हरियाणा के रोहतक और हांसी क्षेत्र में ब्रिटिश सेना के खिलाफ किसानों और मेवों को संगठित कर भीषण युद्ध लड़ने वाले महान जननायक कौन थे? (इतिहास)
उत्तर: बिसारत अली (और साबर खान)
व्याख्या: 1857 के राष्ट्रीय स्वाधीनता संग्राम में हरियाणा के रोहतक, खरखौदा और हांसी क्षेत्र में बिसारत अली ने ब्रिटिश हुकूमत के विरुद्ध जन-विद्रोह का नेतृत्व किया था। वे ब्रिटिश सेना में पूर्व रिसालदार थे, जिन्होंने बगावत कर स्थानीय किसानों, मेवों और रंगड़ों को संगठित किया। उन्होंने रोहतक में ब्रिटिश कचहरी, खजाने और डाक बंगलों को विद्रोही नियंत्रण में ले लिया तथा दिल्ली के विद्रोही सैनिकों को निरंतर रसद और सहायता पहुंचाई। ब्रिटिश सेनापति लेफ्टिनेंट हडसन ने जब रोहतक पर धावा बोला, तो बिसारत अली के विद्रोही दस्तों ने उनका कड़ा मुकाबला किया। हडसन के नेतृत्व वाली सेना से लड़ते हुए बिसारत अली वीरगति को प्राप्त हुए थे।
संदर्भ: NCERT History Class 8 (हमारे अतीत-3), Ch 5 "जब जनता बगावत करती है: 1857 और उसके बाद", p. 55–58;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. प्रायद्वीपीय भारत के पूर्वी घाट में ओडिशा के मयूरभंज जिले में स्थित वह कौन-सा प्रसिद्ध राष्ट्रीय उद्यान एवं टाइगर रिजर्व है, जो साल वनों, एशियाई हाथियों और 'मगरमच्छ संरक्षण' हेतु विख्यात है? (भूगोल)

उत्तर: सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान (Similipal National Park)

व्याख्या: सिमलीपाल राष्ट्रीय उद्यान ओडिशा के मयूरभंज जिले में विस्तृत एक विशाल जैव-विविधता संपन्न क्षेत्र है, जिसका नाम यहाँ बहुतायत में पाए जाने वाले 'सेमल' (लाल रेशमी कपास) के पेड़ों के नाम पर पड़ा है। यह एक प्रमुख राष्ट्रीय उद्यान, टाइगर रिजर्व और हाथी रिजर्व है। वर्ष 2009 में इसे यूनेस्को के 'मैन एंड द बायोस्फीयर' (MAB) वैश्विक नेटवर्क में शामिल किया गया था। यहाँ 'जोरांडा' और 'बरेहीपानी' जैसे प्रसिद्ध ऊंचे जलप्रपात स्थित हैं। यह क्षेत्र बंगाल टाइगर, एशियाई हाथी, गौर और 'मगरमच्छ परियोजना' (रामतीर्थ अनुसंधान केंद्र) के लिए भारत भर में प्रसिद्ध है।

संदर्भ: NCERT Geography Class 9 (समकालीन भारत-1), Ch 5 "प्राकृतिक वनस्पति तथा वन्य प्राणी", p. 45–48;

प्र.7. भारतीय संविधान का कौन-सा अनुच्छेद राज्य की विधानसभा में अनुसूचित जातियों (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) के लिए उनकी जनसंख्या के अनुपात में स्थानों के आरक्षण का प्रावधान करता है? (राजनीति एवं संविधान)

उत्तर: अनुच्छेद 332 (Article 332)

व्याख्या: भारतीय संविधान के भाग-XVI (कुछ वर्गों से संबंधित विशेष उपबंध) के अंतर्गत 'अनुच्छेद 332' राज्य विधानसभाओं में अनुसूचित जातियों (SC) और अनुसूचित जनजातियों (ST) के लिए सीटों के आरक्षण का उपबंध करता है (जबकि लोकसभा में यह आरक्षण अनुच्छेद 330 के तहत है)। इन वर्गों के लिए आरक्षित स्थानों की संख्या का अनुपात उस राज्य की कुल जनसंख्या में उनकी आबादी के अनुपात के आधार पर तय किया जाता है। 104वें संविधान संशोधन अधिनियम, 2019 द्वारा इस आरक्षण की समय-सीमा को बढ़ाकर वर्ष 2030 तक के लिए विस्तारित किया गया है। इसका उद्देश्य विधायी संस्थाओं में ऐतिहासिक रूप से वंचित वर्गों का पर्याप्त राजनीतिक प्रतिनिधित्व सुनिश्चित करना है।

संदर्भ: Constitution of India, Part XVI, Article 332; NCERT Political Science Class 11 (भारत का संविधान:

प्र.8. यदि किसी चालक तार की लंबाई को खींचकर पहले से दोगुना कर दिया जाए, तो उसके नए विद्युत प्रतिरोध (Resistance) पर क्या प्रभाव पड़ेगा (यदि आयतन स्थिर रहे)? (विज्ञान)

उत्तर: प्रतिरोध 4 गुना (4R) हो जाएगा

व्याख्या: किसी चालक का प्रतिरोध $R = \rho (l / A)$ होता है, जहाँ ρ प्रतिरोधकता, l लंबाई और A अनुप्रस्थ काट का क्षेत्रफल है। तार को खींचने पर उसका कुल आयतन ($V = A \times l$) सदैव स्थिर रहता है।

यदि लंबाई को दोगुना ($l' = 2l$) किया जाए, तो आयतन स्थिर रहने के कारण उसका अनुप्रस्थ काट क्षेत्रफल आधा ($A' = A / 2$) हो जाएगा।

नया प्रतिरोध:, $R' = \rho \times (l' / A')$, $R' = \rho \times (2l / (A / 2))$, $R' = \rho \times (4l / A) = 4 \times [\rho (l / A)] = 4R$। अतः तार को खींचकर लंबाई दोगुनी करने पर उसका नया प्रतिरोध प्रारंभिक प्रतिरोध का ठीक 4 गुना हो जाता है (प्रतिरोध लंबाई के वर्ग के समानुपाती $R \propto l^2$ के नियम से बदलता है)।

संदर्भ: NCERT Science Class 10, Ch 12 "विद्युत" (वे कारक जिन पर चालक का प्रतिरोध निर्भर करता है), p. 226–229;

प्र.9. 11वीं शताब्दी में होयसल राजवंश के राजा विष्णुवर्धन द्वारा कर्नाटक के हासन जिले में तुंगभद्रा की सहायक नदी के निकट सोपस्टोन (क्लोराइट शिस्ट) पर तारकीय (स्टार-शेप) तलछंद में निर्मित विख्यात विष्णु मंदिर कौन-सा है? (कला एवं संस्कृति)

उत्तर: बेलूर का चेन्नाकेशव मंदिर (Chennakeshava Temple, Belur)

व्याख्या: बेलूर का चेन्नाकेशव मंदिर कर्नाटक के हासन जिले में यागाची नदी के तट पर स्थित होयसल वास्तुकला का सर्वोत्कृष्ट और विश्वप्रसिद्ध पाषाण स्मारक है। इसका निर्माण 1117 ईस्वी में होयसल नरेश विष्णुवर्धन ने चोलों पर अपनी ऐतिहासिक विजय के उपलक्ष्य में करवाया था। यह मंदिर भगवान विष्णु के सुंदर स्वरूप 'चेन्नाकेशव' को समर्पित है। यह मंदिर एक ऊंचे तारे के आकार वाले जगती (Stellate Platform) पर नरम सोपस्टोन से बनाया गया है। इसकी बाहरी दीवारों पर हाथियों, शेरों, घुड़सवारों और पौराणिक आख्यानों की बारीक नक्काशीदार पट्टियाँ हैं। मंदिर के स्तंभों पर उकेरी गई 'मदनिका' (शालभंजिका) की मूर्तियां भारतीय मूर्तिकला के चरम सौंदर्य का प्रमाण हैं। वर्ष 2023 में होयसल के पवित्र मंदिर समूहों को यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल घोषित किया गया।

संदर्भ: NCERT Class 11 Fine Arts (भारतीय कला का परिचय-1), Ch 6 "मंदिर स्थापत्य और मूर्तिकला", p. 81–84;

प्र.10. 1930 के सविनय अवज्ञा आंदोलन के दौरान बिहार के सारण, मुंगेर और शाहाबाद जिलों में किसानों द्वारा ब्रिटिश सरकार को किस स्थानीय पुलिस कर को देने से पूर्ण इंकार करने का सशक्त आंदोलन चलाया गया था? (बिहार सामान्य ज्ञान)

उत्तर: चौकीदारी कर बंदी आंदोलन (No-Chowkidari Tax Campaign)

व्याख्या: 1930 में जब बिहार में नमक सत्याग्रह के बाद समुद्र तट न होने के कारण नमक निर्माण की सीमाएं सामने आईं, तो बिहार प्रांतीय कांग्रेस कमेटी ने आंदोलन को नया विस्तार देते हुए 'चौकीदारी कर बंदी आंदोलन' का आह्वान किया। चौकीदार ब्रिटिश पुलिस के गुप्तचर के रूप में कार्य करते थे और ग्रामीणों से ही उनकी तनख्वाह का कर वसूला जाता था। सारण, चंपारण, मुंगेर, पटना और शाहाबाद में किसानों ने यह कर देने से साफ इंकार कर दिया। ब्रिटिश सरकार द्वारा घर की कुर्की-जब्ती, मवेशियों को नीलाम करने और कड़े दमन के बावजूद ग्रामीणों ने कर नहीं दिया, बल्कि सैकड़ों ग्रामीण चौकीदारों और दफादारों ने अपने पदों से त्यागपत्र देकर स्वाधीनता आंदोलन में भाग लिया था।

संदर्भ: BPSC General Studies Paper-1 Bihar Freedom Struggle Module; Dr. K. K. Datta — 'History of Freedom Movement in Bihar';

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. 'मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम' (BDMC कैलेंडर: अक्टूबर W5 — स्वच्छता संबंधी जानकारी) के अनुसार विद्यालय परिसर में 'मध्याह्न भोजन' (MDM) की रसोई और बर्तनों की स्वच्छता के क्या बुनियादी नियम हैं और बासी व मक्खी-बैठे भोजन के सेवन से होने वाले 'खाद्य विषाक्तता' (Food Poisoning) के प्राथमिक लक्षण क्या हैं? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: बर्तनों को उबलते पानी/राख-साबुन से धोना, जालीदार ढक्कन; उल्टी, पेट मरोड़, दस्त व तेज बुखार

व्याख्या: बिहार राज्य आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (BSDMA) के 'सुरक्षित शनिवार' कैलेंडर (अक्टूबर W5: स्वच्छता संबंधी जानकारी) और पीएम-पोषण (मध्याह्न भोजन योजना) के सुरक्षा मानकों के अनुसार: (1) रसोई व भोजन स्वच्छता — भोजन पकाने वाली रसोइया के नाखून कटे होने चाहिए, सिर पर सूती एप्रन/रूमाल बंधा होना चाहिए तथा भोजन पकाने व परोसने से पूर्व साबुन से हाथ धोना अनिवार्य है; भोजन पकाने के बर्तन और विद्यार्थियों की थालियां हमेशा स्वच्छ बहते पानी और साबुन से धुली होनी चाहिए; भोजन बनने के तुरंत बाद उसे लोहे या जालीदार ढक्कन से ढककर रखना चाहिए ताकि छिपकली, मक्खी या धूल न गिरे; (2) फूड पॉइजनिंग (खाद्य विषाक्तता) के लक्षण — बासी, सड़े हुए अथवा मक्खियों व बैक्टीरिया (साल्मोनेला, स्टैफिलोकोकस) से दूषित भोजन करने के 2 से 6 घंटे के भीतर पेट में तीव्र मरोड़, उल्टी (Vomiting), पतला दस्त और तेज बुखार के लक्षण प्रकट होते हैं; (3) प्राथमिक उपचार — ऐसे लक्षण दिखने पर तुरंत ओआरएस (ORS) का घोल अथवा नींबू-नमक-चीनी का पानी बार-बार पिलाएं ताकि शरीर में जल की कमी (Dehydration) न हो, और बिना देरी किए नजदीकी प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (PHC) पहुँचाएं।

संदर्भ: BSDMA Safe Saturday Training Module October W5 — "स्वच्छता संबंधी जानकारी";

प्र.12. दो संख्याओं का महत्तम समापवर्तक (HCF) 12 है तथा उनका लघुत्तम समापवर्त्य (LCM) 240 है। यदि उनमें से एक संख्या 48 है, तो दूसरी संख्या क्या होगी? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: 60

व्याख्या: यह दो संख्याओं के गुणनफल और उनके ल.स. (LCM) व म.स. (HCF) के मूलभूत गणितीय संबंध पर आधारित एक मानक अंकगणितीय प्रश्न है। महत्वपूर्ण सूत्र:

$\text{पहली संख्या} \times \text{दूसरी संख्या} = \text{HCF} \times \text{LCM}$

यहाँ दिया गया है: $\text{HCF} = 12$, $\text{LCM} = 240$, पहली संख्या = 48, माना दूसरी संख्या = x।

मान प्रतिस्थापित करने पर: $48 \times x = 12 \times 240$, पक्षांतरण करने पर:, $x = (12 \times 240) / 48$, 12 से 48 को विभाजित करने पर: $48 / 12 = 4$, $x = 240 / 4$, $x = 60$।

(जाँच: $48 \times 60 = 2,880$; तथा $\text{HCF} \times \text{LCM} = 12 \times 240 = 2,880$; दोनों पक्ष बराबर हैं)।

अतः अभीष्ट दूसरी संख्या ठीक 60 होगी।

संदर्भ: NCERT Mathematics Class 6, Ch 3 "संख्याओं के साथ खेलना" (Playing with Numbers - HCF & LCM), p.

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण



अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Assuage (अस्वेज) = Soothe (सूथ) = शांत करना / पीड़ा या चिंता कम करना

Antonym – Aggravate (ऐग्रवेट) = बढ़ाना / स्थिति को और बिगाड़ना

Circumlocution (सर्कमलोक्यूशन) = Verbosity (वर्बोसिटी) = घुमा-फिराकर बात करना / अनावश्यक शब्दाडंबर

Antonym – Conciseness (कन्साइसनेस) = संक्षिप्तता / कम शब्दों में स्पष्टता

Dissemble (डिसेम्बल) = Deceive (डिसीव) = वास्तविक भाव या इरादे छिपाना / छल करना

Antonym – Disclose (डिस्क्लोज़) = प्रकट करना / खुलासा करना

Profligate (प्रॉफ्लिगेट) = Extravagant (एक्स्ट्रैवगन्ट) = फिजूलखर्च / अपव्ययी

Antonym – Economical (इकनॉमिकल) = मितव्ययी / किफायती

Torpid (टॉर्पिड) = Inactive (इनऐक्टिव) = सुस्त / निष्क्रिय / जड़वत

Antonym – Active (ऐक्टिव) = सक्रिय / क्रियाशील



~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण।

अनुभाग-5

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

India aims for ₹3 lakh crore defence production, ₹50,000 crore exports by 2029; defence budget rises to ₹7.85 lakh crore

हिन्दी अनुवाद: भारत 2029 तक ₹3 लाख करोड़ रक्षा उत्पादन और ₹50,000 करोड़ निर्यात का लक्ष्य रखता है; रक्षा बजट ₹7.85 लाख करोड़ हुआ।
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक में कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रक्षा बजट बढ़ाकर रिकॉर्ड ₹7.85 लाख करोड़ कर दिया गया है। इसमें आधुनिकीकरण और पूंजीगत खरीद के लिए ₹2.19 लाख करोड़ का पूंजीगत परिव्यय शामिल है। सरकार का लक्ष्य 2029 तक रक्षा उत्पादन को ₹3 लाख करोड़ और रक्षा निर्यात को ₹50,000 करोड़ तक पहुँचाना है।

Aatmanirbhar Bharat: MoD inks ₹53,866.50 crore contracts with GRSE & GSL for 8 Next Generation Corvettes for Indian Navy

हिन्दी अनुवाद: आत्मनिर्भर भारत: रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए 8 अगली पीढ़ी के कोर्वेट बनाने के लिए GRSE और GSL के साथ ₹53,866.50 करोड़ के अनुबंध किए। ◆
रक्षा मंत्रालय ने भारतीय नौसेना के लिए आठ अगली पीढ़ी के कोर्वेट बनाने के लिए गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) और गोवा शिपयार्ड लिमिटेड (GSL) के साथ ₹53,866.50 करोड़ के अनुबंध किए हैं।

Navy Chief says aatmanirbharta a strategic necessity amid changing warfare; technological advantages may not last

हिन्दी अनुवाद: नौसेना प्रमुख ने कहा कि बदलते युद्ध के बीच आत्मनिर्भरता रणनीतिक आवश्यकता है; तकनीकी लाभ स्थायी नहीं रह सकते। ◆
नौसेना प्रमुख एडमिरल कृष्ण स्वामीनाथन ने दिल्ली डिफेंस डायलॉग में कहा कि तेजी से बदलते युद्ध के बीच आत्मनिर्भरता भारत के लिए रणनीतिक आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि युद्ध की शुरुआत में तकनीकी लाभ स्थायी नहीं रह सकते, क्योंकि तकनीक राज्य और गैर-राज्य दोनों अभिनेताओं के लिए तेजी से सुलभ हो रही है।

INTERNATIONAL NEWS

Iran says talks with Saudi Arabia ongoing; aims for regional security arrangements without foreign military involvement; US conducts 'defensive' strikes on Iranian targets in Strait of Hormuz

हिन्दी अनुवाद: ईरान ने कहा कि सऊदी अरब के साथ बातचीत जारी है; विदेशी सैन्य हस्तक्षेप के बिना क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था चाहता है; अमेरिका ने होर्मुज़ में ईरानी ठिकानों पर 'रक्षात्मक' हमले किए।
ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अरागची ने कहा कि तेहरान और रियाद के बीच बातचीत जारी है। ईरान विदेशी सैन्य हस्तक्षेप के बिना क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था चाहता है। अमेरिका ने होर्मुज़ जलडमरूमध्य में ईरानी ठिकानों पर 'रक्षात्मक' हमले किए।

JD Vance sees 'progress' in Iran talks; Tehran says 'ball is in US court'; Iran says two-day plan to reopen Strait of Hormuz

हिन्दी अनुवाद: JD वांस ने ईरान बातचीत में 'प्रगति' देखी; तेहरान ने कहा कि 'गेंद अमेरिका के पाले में है'; ईरान ने होर्मुज़ दोबारा खोलने की दो-दिन की योजना की बात की।
अमेरिकी उपराष्ट्रपति JD वांस ने कहा कि ईरान के साथ अप्रत्यक्ष शांति बातचीत में प्रगति हुई है। तेहरान ने कहा कि अमेरिका को नौसैनिक नाकाबंदी हटानी होगी और अपनी मांगें पूरी करनी होंगी। ईरान ने कहा कि उसके पास होर्मुज़ जलडमरूमध्य को दो दिनों में फिर से खोलने की योजना है।

Houthis accuse Saudi Arabia of striking Yemen's Red Sea coast port; Houthi missile strikes medical center in Lahij; Yemen fighting intensifies

हिन्दी अनुवाद: हूतियों ने सऊदी अरब पर यमन के लाल सागर तट के बंदरगाह पर हमले का आरोप लगाया; हूती मिसाइल ने लहज में चिकित्सा केंद्र पर हमला किया; यमन में लड़ाई तेज। ◆
यमन के ईरान-समर्थित हूती विद्रोहियों ने सऊदी अरब पर यमन के लाल सागर तट के बंदरगाह पर हमले का आरोप लगाया। हूती मिसाइल ने लहज प्रांत के मदरीबाह जिले में एक चिकित्सा केंद्र पर हमला किया। यमन में लड़ाई तेज हो गई है।

BIHAR NEWS

Bihar govt signs MoU with MoRTH to clean rivers of silt accumulated due to floods; NHAI to build roads using Bihar river silt
हिन्दी अनुवाद: बिहार सरकार ने बाढ़ से जमा गाद से नदियों को साफ करने के लिए MoRTH के साथ MoU किया; NHAI बिहार की नदियों की गाद से सड़कें बनाएगा।
बिहार सरकार और सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय (MoRTH) ने नई दिल्ली में एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन (MoU) पर हस्ताक्षर किए। इसके तहत MoRTH राज्य की नदियों को ड्रेज करेगा और निकाली गई रेत, गाद और तलछट को राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं में उपयोग करेगा। गंगा और उसकी प्रमुख सहायक नदियों (कोसी, गंडक और बागमती) में भारी तलछट जमा होने से गहराई और जल वहन क्षमता कम हो गई है, जिसे बिहार की गंभीर वार्षिक बाढ़ का एक प्रमुख कारण माना जाता है।

Gandak river erosion intensifies in Bagaha's Bairia; river reaches within 100 metres of Champaran embankment
हिन्दी अनुवाद: बागहा के बैरिया में गंडक नदी का कटाव तेज; नदी चंपारण तटबंध से 100 मीटर की दूरी पर पहुँची।
पश्चिम चंपारण जिले के बागहा के बैरिया अंचल क्षेत्र की उत्तरी पटजिरवा पंचायत के वार्ड-13 स्थित पुजहा में गंडक नदी का कटाव तेज हो गया है। ठोकर नंबर-1 के समीप नदी अब चंपारण तटबंध से महज 100 मीटर की दूरी पर बह रही है।

SPORTS NEWS

India win T20I series 3–2 against New Zealand; New Zealand win 5th T20I by 7 wickets
हिन्दी अनुवाद: भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ T20I श्रृंखला 3–2 से जीती; न्यूज़ीलैंड ने पाँचवां T20I 7 विकेट से जीता।
हैमिल्टन के सेडन पार्क में न्यूज़ीलैंड ने 195/3 बनाए। टिम सीफर्ट ने 93 रन बनाए और ग्लेन फिलिप्स ने 65 रन बनाए। भारत 191/8 पर सिमट गया। न्यूज़ीलैंड ने सात विकेट से जीत दर्ज की, लेकिन भारत ने श्रृंखला 3–2 से जीती।

India win five-match T20I series 3–2 against New Zealand; New Zealand win last two matches
हिन्दी अनुवाद: भारत ने न्यूज़ीलैंड के खिलाफ पाँच मैचों की T20I श्रृंखला 3–2 से जीती; न्यूज़ीलैंड ने अंतिम दो मैच जीते।
भारत ने पहले तीन T20I जीते हैं और श्रृंखला में 3–2 की बढ़त बनाई है। न्यूज़ीलैंड ने अंतिम दो मैच जीते।



संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

CURRENT AFFAIRS OF THE DAY (करेंट अफेयर्स ऑफ द डे)

"आत्मनिर्भरता 2.0: भारत 2029 तक ₹3 लाख करोड़ रक्षा उत्पादन और ₹50,000 करोड़ निर्यात का लक्ष्य"
रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने जैसलमेर में रक्षा मंत्रालय की सलाहकार समिति की बैठक में कहा कि वित्त वर्ष 2026-27 के लिए रक्षा बजट बढ़ाकर रिकॉर्ड ₹7.85 लाख करोड़ कर दिया गया है। इसमें आधुनिकीकरण और पूंजीगत खरीद के लिए ₹2.19 लाख करोड़ का पूंजीगत परिव्यय शामिल है। सरकार का लक्ष्य 2029 तक रक्षा उत्पादन को ₹3 लाख करोड़ और रक्षा निर्यात को ₹50,000 करोड़ तक पहुँचाना है।

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

अच्छाई का विस्तार

एक बार गुरु नानक देव जी अपने शिष्यों के साथ एक गाँव में पहुँचे। गाँव के लोग बड़े सज्जन और सेवाभावी थे। उन्होंने गुरु जी और उनके शिष्यों का आदर-सत्कार किया। चलते समय गुरु नानक देव जी ने गाँव वालों को आशीर्वाद दिया, "तुम्हारा गाँव उजड़ जाए और तुम सब अलग-अलग जगहों पर जाकर बसो।"

गुरु जी के शिष्य यह सुनकर हैरान रह गए, लेकिन उन्होंने कुछ नहीं पूछा।

कुछ दूर चलने के बाद वे दूसरे गाँव पहुँचे। वहाँ के लोग स्वार्थी और उपद्रवी थे। उन्होंने अतिथियों का स्वागत तो दूर, उन्हें बैठने तक नहीं दिया। कुछ लोगों ने तो उन पर पत्थर भी फेंके।

गुरु नानक देव जी ने उस गाँव को भी आशीर्वाद दिया, "तुम्हारा गाँव आबाद रहे और तुम सब यहीं रहो।"

इस बार शिष्यों से रहा नहीं गया। उन्होंने गुरु जी से पूछा, "जिस गाँव के लोग अच्छे थे, आपने उन्हें उजड़ने का आशीर्वाद दिया। और जहाँ लोगों ने हमारा अपमान किया, उसे आबाद रहने का आशीर्वाद दिया। ऐसा क्यों?"

गुरु नानक देव जी ने समझाया, "अच्छे लोग जहाँ भी बसेंगे, वे अपनी अच्छाई, सेवा और सद्भाव से नए स्थान को भी अच्छा बना देंगे। उनकी अच्छाई दूर-दूर तक फैलेगी। लेकिन बुरे लोग यदि एक ही जगह रहेंगे, तो उनकी बुराई वहीं सीमित रहेगी। यदि वे अलग-अलग जगह फैलेंगे, तो बुराई भी फैल सकती है।"

शिष्यों को बात समझ में आ गई।

प्रेरक सीख: अच्छाई का स्वभाव फैलना है। अच्छे विचार, अच्छे कर्म और सद्भाव जहाँ पहुँचते हैं, वहाँ जीवन को बेहतर बनाते हैं। इसलिए स्वयं अच्छे बनें और अपनी अच्छाई से आसपास के लोगों को भी प्रेरित करें।



.....✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-7

"माथा-पच्ची"

आज का सु-डू-कु

स्तर: विशेषज्ञ स्तर | भाग-32

सोचो... समझो... हल करो...

	1				8	3		
			4					
	9				7		2	1
			2			8	9	
1			8	4				6
	4							3
		5		7		9		
3					4			8
4						1		

नियम

- 1 से 9 तक के अंकों का प्रयोग करें।
- प्रत्येक पंक्ति में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक स्तम्भ में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।
- प्रत्येक 3×3 बॉक्स में 1-9 तक सभी अंक एक-एक बार आएं।

आज का विचार

"जो व्यक्ति निरंतर प्रयास करता है, उसके लिए असंभव कुछ भी नहीं।"

— चाणक्य

याद रखें

कठिनाई नहीं, सोच ही समाधान है।

उत्तर

2	1	4	6	9	8	3	7	6
7	6	3	4	1	2	6	6	9
8	9	6	3	6	7	4	2	1
6	6	7	2	3	1	8	9	4
1	3	2	8	4	9	7	6	6
9	4	8	7	6	6	2	1	3
6	6	6	1	7	3	9	4	2
3	7	1	9	2	4	6	6	8
4	2	9	6	8	6	1	3	7

छोटे प्रयास... बड़ी सफलता !

आइए, प्रतिदिन थोड़ा अभ्यास करें और सोच को तेज़ बनाएं।

"डिकोड"

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण।



श्रीमद्भगवद्गीता – अध्याय 9, श्लोक 26
पत्रं पुष्पं फलं तोयं यो मे भक्त्या प्रयच्छति।
तदहं भक्त्युपहृतमश्नामि प्रयतात्मनः॥

सरल हिन्दी अर्थ:
जो कोई विशुद्ध और एकाग्र अंतःकरण वाला साधक मुझे प्रेम और भक्तिपूर्वक एक पत्ता, फूल, फल अथवा केवल जल भी भेंट करता है, उस निष्काम प्रेमी द्वारा समर्पण भाव से अर्पित किए गए उस तुच्छ उपहार को भी मैं सहर्ष स्वीकार करता हूँ।

आधुनिक संदर्भ और व्यावहारिक अर्थ
श्रीकृष्ण यहाँ पूजा, संबंधों और किसी भी कार्य में उपहार के मूल्य (Material Worth) बनाम भावना के मूल्य (Emotional & Moral Intent) का शाश्वत सिद्धांत स्पष्ट करते हैं:

- आडंबर और दिखावे का खंडन: संसार अक्सर इस बात से प्रभावित होता है कि किसी ने कितना बड़ा आयोजन किया, कितना महँगा उपहार दिया या कितना धन खर्च किया। किंतु उच्चतम चेतना (या परमात्मा) बाहरी तामझाम से नहीं, बल्कि आंतरिक नीयत, पवित्रता और समर्पण भाव से जुड़ती है।
- पहुँच की सार्वभौमिकता (Radical Inclusivity): पत्ता, फूल, फल या पानी—ये ऐसी वस्तुएँ हैं जो संसार के निर्धनतम व्यक्ति के पास भी सुलभ हैं। इसके माध्यम से यह स्थापित किया गया है कि दिव्यता, कृतज्ञता और आत्मिक जुड़ाव पर किसी की आर्थिक संपन्नता या सामाजिक विशेषाधिकार का एकाधिकार नहीं है।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

अनुभाग-8

"अच्छी ख़बर"

दैनिक भास्कर बेतिया भास्कर 06-04-2026

मंडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र | बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल ने इस पत्रिका को एक संस्थागत स्वरूप प्रदान किया है।



चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो बिहार बदलेगा।

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम पायदान पर बैठे छात्र तक पहुंचता है।

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं।ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बार इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की।जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जगायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन



सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक में प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त में यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, लत्वी का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ में स्वीच का कार्य, पर्यावरण में प्राथमिक उत्पादक, मानव में पाचन एंजाइम का उदाहरण, चौरंगी के लेखक कौन हैं। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत में प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026 बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यवहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम रिन्टू कुमार, सौरभ कुमार, राय, मनीज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।


प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

सप्तऋषि मॉडल से सर्वांगीण

संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि मॉडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह मॉडल विद्यार्थियों के मानसिक, सरकारी विद्यालयों में इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।

पूदन राम, बीईओ, बगहा दो

संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर:

पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा:

'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त



"भारत निर्माता, जीवनी शतकम्"

अनुभाग-9

निर्गुण भक्ति के सम्राट: संत कबीर दास

प्यारे बच्चों, क्या आपने कभी यह प्रसिद्ध कहावत सुनी है—"मन चंगा तो कठौती में गंगा"? इसका सीधा और सुंदर अर्थ है कि यदि हमारा मन पवित्र, सच्चा और साफ़ है, तो हमें ईश्वर को खोजने कहीं दूर जाने की ज़रूरत नहीं है; हमारे घर के छोटे से बर्तन में भी गंगा जैसी पावनता समा जाती है! इस अद्भुत सत्य का बोध कराने वाले महापुरुष थे भारत के महान समाज सुधारक, समरसता के प्रतीक और संत शिरोमणि रविदास जी (जिन्हें आदर से 'संत रैदास' भी कहा जाता है)।

संत रविदास जी का प्राकट्य 15वीं शताब्दी (माघ पूर्णिमा) में उत्तर प्रदेश की पावन नगरी काशी (वाराणसी) के पास 'सीर गोवर्धनपुर' गाँव में हुआ था। उनके पिता श्री संतोख दास जी (रघु जी) और माता श्रीमती कलसा देवी अत्यंत दयालु, मेहनती, स्नेहमयी और धर्मपरायण स्वभाव के थे। उनका परिवार जूते बनाने और चमड़े के पारंपरिक शिल्प का कार्य करता था। नन्हे रविदास बचपन से ही अत्यंत शांत, दयालु, चिंतनशील और परोपकारी स्वभाव के बालक थे।

बचपन में जब उनके माता-पिता उन्हें जूते सिलने का काम सिखाते, तो वे बड़े मन से काम करते। यदि उनके द्वार पर कोई निर्धन, साधु या असहाय व्यक्ति नंगे पाँव आ जाता, तो नन्हे रविदास बिना कोई पैसा लिए अपनी बनाई सुंदर जूतियाँ उसे प्रेम से पहना देते थे। उनके पिता कई बार इस बात से चिंतित होते कि यह बालक व्यापार कैसे करेगा, परंतु रविदास जी के लिए दूसरों की सेवा ही सबसे बड़ा धन था। वे महान संत स्वामी रामानंद जी के प्रिय शिष्य बने। संत कबीर दास जी भी उनके समकालीन थे और उन्होंने रविदास जी के लिए श्रद्धा से कहा था—"साधुन में परधान संत रविदास" (अर्थात साधुओं में सबसे प्रधान संत रविदास हैं)।

उस समय समाज में जाति-पाँति, छुआछूत और ऊँच-नीच की गहरी खाई थी। कई लोग उनके जूते बनाने के कार्य को छोटा समझते थे, परंतु संत रविदास जी ने पूरे समाज को सिखाया कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता; इंसान अपने जन्म या जाति से नहीं, बल्कि अपने कर्म, सच्चाई और आचरण से महान बनता है। उन्होंने मेहनत और ईमानदारी से की गई कमाई (श्रम की गरिमा) को ईश्वर की सबसे बड़ी पूजा बताया।

उनके जीवन का एक प्रसंग बहुत प्रसिद्ध है। एक बार काशी के कुछ विद्वान गंगा स्नान के लिए जा रहे थे। उन्होंने रविदास जी से भी साथ चलने को कहा। रविदास जी ने विनम्रता से कहा—"मुझे आज एक ग्राहक को जूते बनाकर देने का वचन पूरा करना है। यदि मैं वचन तोड़कर गंगा नहाने जाऊँगा, तो मेरा मन वहाँ नहीं लगेगा।" उन्होंने अपने चमड़ा भिगोने वाले काठ के बर्तन (कठौती) की ओर संकेत करते हुए कहा कि यदि मन शुद्ध है, तो गंगा यहीं प्रकट हो जाती हैं। मान्यता है कि तभी उस कठौती के जल से साक्षात गंगा मैया प्रकट हो गईं और सबको अपनी पावनता का दर्शन कराया।

संत रविदास जी ने 'बेगमपुरा' (एक ऐसा शहर जहाँ कोई गम, दुख या भेदभाव न हो) की सुंदर परिकल्पना दी, जहाँ सब लोग बराबरी, सुख और प्रेम से रहें। चित्तौड़गढ़ की परम भक्त रानी मीराबाई भी उन्हें अपना आध्यात्मिक गुरु मानती थीं। उनके 40 पवित्र पद सिखों के पावन धर्मग्रंथ 'श्री गुरु ग्रंथ साहिब' में पूरे आदर के साथ संकलित हैं। 1520 ई. के आसपास काशी में इस महान संत ने नश्वर संसार को विदा किया। प्यारे बच्चों, संत रविदास जी का पावन जीवन हमें सिखाता है कि मेहनत और ईमानदारी से काम करो, कभी किसी काम या इंसान को छोटा मत समझो और अपने मन को हमेशा पवित्र और छल-कपट से दूर रखो।



.....✍

शैलेन्द्र कुमार

प्रधान शिक्षक

रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2



Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।



संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱 -9939671700

आज का विचार:

यह मायने नहीं रखता कि आपके पास देने के लिए कितना है; मायने यह रखता है कि जो आप दे रहे हैं, उसमें आपका दिल और ईमानदारी कितनी है। शुद्ध भावना से किया गया तिनके जैसा छोटा प्रयास भी दिखावे के हिमालय से कहीं अधिक मूल्यवान होता है।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org